है तथा जो स्कूलों के लिये एक बड़ी समस्या ...

पिछड़े बालकों की विज्ञान सम्बन्धी समस्यायें :

(Scientific Problems of Mentally Retarded Children) :

1. वह स्मरण शक्ति कमजोर होने के कारण वैज्ञानिक ज्ञान को शीघ्रता से ग्रहण करने में कठिनाई अनुभव करता है।

2. विज्ञान के प्रति रुचि एवं उचित दृष्टिकोण के अभाव में उसकी उपलब्धि (Attainment) निम्न स्तर की होती है।

3. कक्षा का उदासीन वातावरण उसे कक्षा छोड़ने के लिये बाध्य करता है जिससे उसकी आगे की पढ़ाई का क्रम टूट जाता है। परिणामस्वरूप, उसकी रही-सही रुचि भी समाप्त हो जाती है।

4. परिवार का निम्न सामाजिक-आर्थिक (Socio-Economic) स्तर होने की वजह से वे सम्पूर्ण पाठ्य सामग्री जुटाने में असमर्थ रहते हैं। परिणाणस्वरूप, कक्षा के अन्य बालकों के साथ-साथ वे प्रगति नहीं कर पाते हैं। दूसरे, उन्हें अपने माता-पिता के कार्यों में भी हाथ बँटाना पड़ता है।

5. माता-पिता के अशिक्षित होने की वजह से उन्हें सही निर्देश नहीं मिल पाता।

6. घरेलु झगड़े उनकी पढ़ाई में बाधक सिद्ध होते हैं।

Scanned with CamScanner

7. हीन भावना एवं आत्मविश्वास की कमी उन्हें किसी समस्या का स्वतन्त्र रूप से हल निकालने में बाधा पहुँचाती है।

8. स्कूल में पूरी सुविधायें न मिल जाने पर उनकी समस्यायें और जटिल हो जाती हैं।

9. अध्यापक का अरुचिपूर्ण व्यवहार उनकी प्रगति में प्रेरणादायक नहीं बन पाता।

10. शैक्षिक निर्देशन का अभावा रहता है।

11. अल्पसंख्यक समूह (Minority group) की भावना उन्हें पनपने नहीं देती।

12. उच्च आर्थिक स्तर एवं निम्न आर्थिक स्तर के बालकों के बीच सीमा रेखा बनी रहती है। परिणामस्वरूप, कक्षा का वातावरण बोझिल हो जाता है।

पिछड़े बालकों को कैसे पहचाना जाये ?

(How to Identify Mentally Retarded Children ?)

कोई भी माता-पिता अथवा अध्यापक एक बहुत छोटे बालक के मानसिक स्तर का ठीक-ठीक मूल्यांकन नहीं कर सकते। प्रारम्भिक वर्षों में उसके विकास की गति बहुत मन्द हो सकती है। यहाँ तक कि बालक की बाल्यवस्था के अन्तिम चरण में अथवा किशोरवस्था के प्रारम्भिक चरण में यह पता लगाना बड़ा मुश्किल हो जाता है कि इसका मानसिक स्तर औसत दर्जे का है अथवा नहीं और न ही यह पता लग पाता है कि वह अपने सामान्य व्यवहार से विचलित हो रहा है अथवा नहीं।

यह पता लगाने के लिये कि बालक किस प्रकार तथा किस सीमा तक एक सामान्य मानसिक स्तर वाले बालक की उपलब्धि की तुलना में विचलित हो रहा है, निम्न उपाय प्रयोग में लाये जा सकते हैं—

1. वैध एवं विश्वसनीय बुद्धि परीक्षण को प्रशासित करके
(Administering Valid and Reliable test of Intelligence)
2. अध्यापक द्वारा निरीक्षण
(Observation by the teacher)
3. परामर्श साक्षात्कार
(Couselling Interviews)
4. व्यक्ति इतिहास का निर्माण
(Construction of Case Histories)

Scanned with CamScanner